

All Rights Reserved.

श्रीहरिः

कला ।

श्रीहरिश्चन्द्रकला

अथवा ।

गोलोकनामी भाग्यभूषण भारतेंदु श्रीहरिश्चन्द्र का जीवनसर्वस्व ।

प्रथम भाग नाटकावली ।

जिगमें उक्त ४ विभिन्न नाटकों के रचित तथा अनुवादित नाटक,
ज्यादा इत्यादिक का संग्रह है ।

→→→

दाशरथ पत्रिका सम्पादक, श्री म० कृ० बा० रामदीन सिंह संकलित
बाबू रामप्रसाद सिंह द्वारा प्रकाशित ।



पटना—“खड्गविलास” प्रेस—बांकीपुर ।

बाबू रामप्रसाद सिंह द्वारा मुद्रित

ह० सं० ४२ । } १९८३ । { १९२६ ईस्वी ।
नवन संस्करण । } [मूल्य तीन रुपये ।